दुर्गा
कॉमिक्स
10.00
खूनी जबड़ा
हॉरर
सीरीज 1

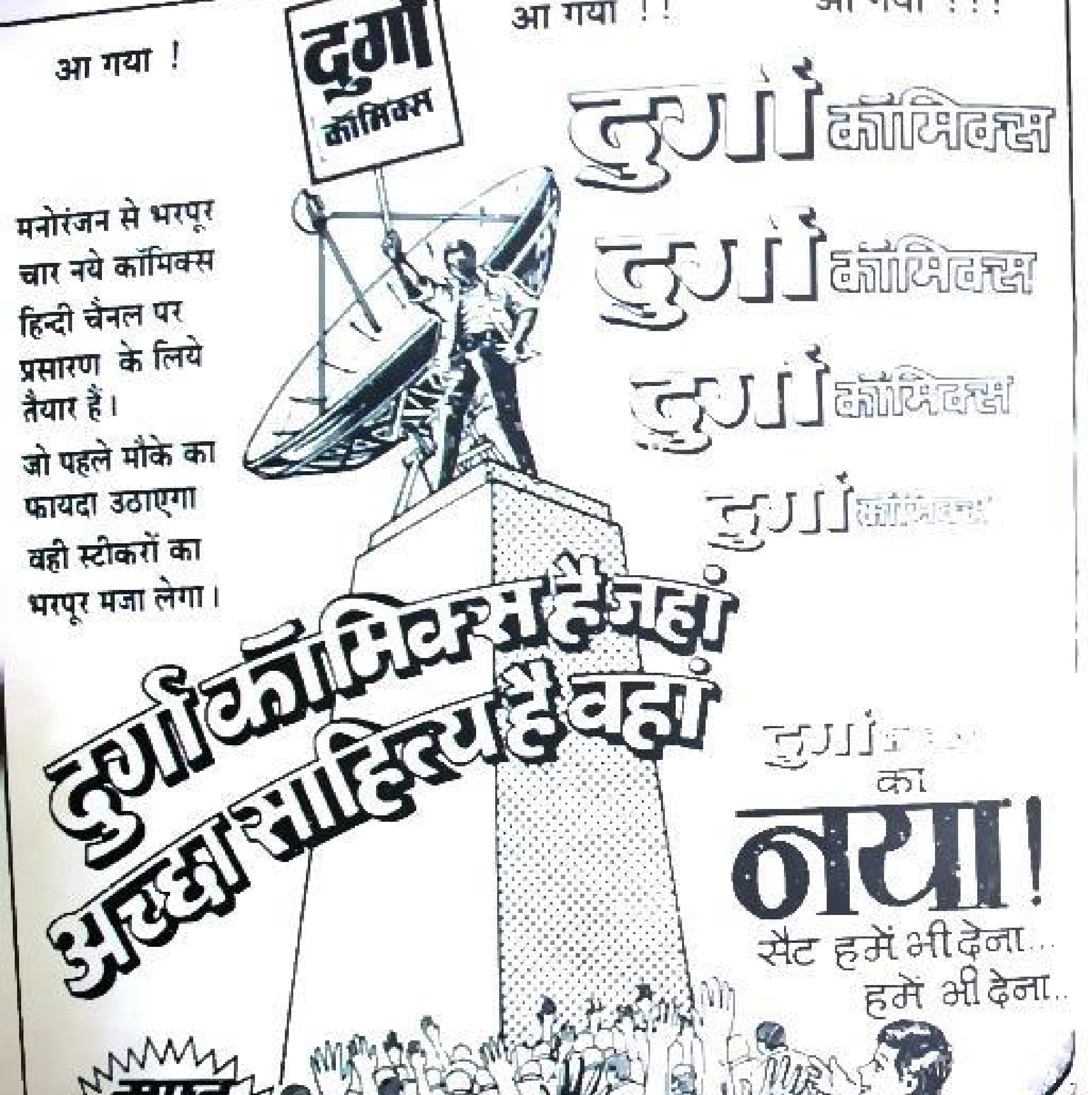

प्रकाशक : दुर्गा पॉकिट बुक्स, ईश्वर पुरी-गली जैन मंदिर, मेरठ—250002

सम्पादक : दीपक जैन © सर्वाधिकार प्रकाशकाधीन

© सर्वाधिकार सुरक्षित : दुर्गा पॉकिट बुक्स, मेरठ—250 002

फोन न० : 2107

© DURGA POCKET BOOKS

हाय! ब— बचाओ!! इस चीज से मुझे छुड़ाओ!
रुको...प्रोफेसर!
ये लो, प्रोफेसर!
आज तो मौत निश्चित ही थी...
...कैसा लग रहा था जैसे इन दांतों में जान हो!
फेंको इसे! बड़ा दर्द हो रहा है!
आओ...चलें... मैं इसे अपने साथियों को भी नहीं दिखा सकता!
इन जबड़ों के बारे में कुछ पता नहीं चल रहा कि ये किसके जबड़े हैं!
न तो यह किसी जानवर के हैं, न ही किसी इन्सान के! लगता है ये किसी दूसरे ग्रह के जीव का जबड़ा है!
दूसरे ग्रह का जबड़ा...हा...हा... क्या मज़ाक है!
क्या पता, शीघ्र ही पता लग जाये कि ये जबड़े किसके हैं?
मुझे तो यह साधारण मनुष्य के ही लगते हैं!

बेवकूफ! निकम्मे... मेरा मजाक उड़ाते हैं... भागो... चले जाओ यहां से!
अच्छा प्रोफेसर! ज्यादा नाराज मत हो! हम चले जाते हैं... हा हा! बेचारा प्रोफेसर!
कैसा अनोखा जबड़ा है? कुछ भी हो, मैं इसका राज पता लगा कर ही रहूंगा... कि किसका जबड़ा है?
प्रोफेसर सुधाकर! उन बेवकूफों को तुम्हारी इज्जत करनी नहीं आयी... तुम्हारी खोज महत्वपूर्ण है!
क्या? तुम कौन हो लड़की?
मेरा नाम रुबी कोहली है! मैं साइंस रिपोर्टर हूं! और साइंस डायजेस्ट के लिए काम करती हूं। मैं आपकी सहायता करूंगी!
धन्यवाद मिस रुबी! आप बड़ी अच्छी हैं!
मैं खुद अभी तक असमंजस में हूं कि ये जबड़े किसके हैं- मैं खुद निर्णय नहीं ले पा रहा हूं, शायद बूढ़ा हो गया हूं न... इसलिए
कोई बात नहीं प्रोफेसर! कुछ भी हो, हम मिलकर इस का समाधान ढूंढेंगे!
शाम हुई... आसमान पर पूरा चांद था। एक अकेली लड़की अपने घर वापिस जा रही थी।
आऊ ऽऽऽऽ
हे भगवान! इस वक्त भेड़िये की तरह कौन गुर्रा रहा है?
इस पार्क में कई वारदातें हो चुकी हैं. मुझे जल्दी से घर पहुंचना चाहिए।

ओह नहीं— वह पास आता जा रहा है…
आवाज़ काफी पास आ गयी है… जैसे किसी कुत्ते की हो या फिर…
गुर्र्र्र्र्र्र
न…नहीं
ईईईऽऽ
सुबह पुलिस के जासूस लाश का मुआयना कर रहे थे।
केवल कोई जानवर ही इसे इस तरह से चीर-फाड़ सकता है
इंस्पेक्टर इधर तो देखो!
किसी के शरीर के बाल!
इसका मतलब यह कोई जानवर नहीं होगा!
शायद इससे हमें कोई सुराग मिल सके!
उन बालों को सूंघने के बाद पुलिस के जासूस कुत्ते उन्हें प्रोफेसर के घर ले गये।
किसी राक्षस का हमला? इसका सम्बन्ध मुझसे कहां आ जुड़ा!
ये शायद बेवकूफी की बात लगे प्रोफेसर! लेकिन तुम्हारे घर पर आ कर ही उस दरिन्दे की मौजूदगी समाप्त होती है!

तुम्हारा कहने का मतलब है कि इस गुनाह के साथ मेरा कोई रिश्ता है।
नहीं सर! हमने ऐसा तो नहीं कहा!
मैं तो सोच रहा था कि शायद तुम कुछ महत्वपूर्ण जानकारी हमें दे सको!
मुझे चोर सिपाही का खेल बिल्कुल पसन्द नहीं—
धन्यवाद जेन्टिल मैन!
धन्यवाद प्रोफेसर! आपने हमारी काफी मदद की!
हाय! अब तो मैं कानून की निगाह में भी आ गया।
ये खूनी जबड़ा ने जाने कब तक मुझे अपने पास रखना होगा।
सोचने के लिए कुछ समय चाहिए— लेकिन कुछ दिमाग में नहीं आ रहा मुझे कुछ देर आराम करना चाहिए।
कुछ घण्टों बाद ··· म्यूजियम जनता के लिए बंद कर दिया गया
आज मैं सारा दिन प्रोफेसर को फोन करती रही।
लेकिन उसका कोई नम्बर हुआ था-वो ठीक तो है न, देखूं!
ओह ···! बेचारा प्रोफेसर!
लगता है, काफी थका हुआ है! वह काम करते-करते सो गया है।

हे भगवान! इस बुड्ढे के साथ क्या हुआ है?
गुर्र्र
हाय राम! प्रोफेसर को क्या हुआ?
...वह बदल रहा है।
व...वह तो शैतान बन गया!
नहीं! दूर हटो!
गुर्र्र
धड़ाम
आक्सीजन का सिलेंडर खुल गया...कहीं आग न लग जाये!

भड़ाम
यहां क्या हो रहा है?
हे भगवान... ये क्या है?
गुर्ररर
गोलियों का इस पर कोई असर नहीं होगा। यह केवल चांदी के हथियार से मरेगा
चांदी का हथियार? ये भला यहां कहां मिलेगा।
गुर्ररर

ओ शायद इस मूर्ति के हाथ में जादी का भला है।
जल्दी करो!
आईईई
अगले ही पल वो भयानक जीव प्रो० सुधाकर में बदल गया।
प्रोफेसर सुधाकर मैं सोच भी नहीं सकता था!
यह सब उसी खूनी जबड़े की वजह से हुआ" वह जबड़ा किसी शैतान का जबड़ा था।
प्रोफेसर पर उसका असर इसलिए हुआ
"जब रात में, आसमान में पूरा चांद था, तब प्रोफेसर शैतान के रूप में बदल गया था!
इस जबड़े ने बेचारे प्रोफेसर को काट लिया था- और उस काटने के प्रभाव से प्रोफेसर शैतानी दरिन्दे में बदल गया!
तब तो उस जबड़े को नष्ट कर देना चाहिये, कहीं वो किसी और को न काट ले!
प्रोफेसर की पूरी लेबोरेट्री को छान डाला गया- लेकिन जबड़ा नहीं मिला-
वह जबड़ा कहीं नहीं मिल रहा, न जाने कहां चला गया!
वह इस तरह से कहां गायब हो सकता है? ढूंढो उसे!

शैतान का कहर

यह घटना अभी घटी नहीं है- लेकिन घट सकती है। क्योंकि इस दुनिया में शैतानों की कमी नहीं है, जो दूसरों की जिन्दगी से खेलते हैं। शैतानी काम के लिए शैतानी दिमाग भी चाहिए। उदाहरण के लिए इसी आदमी को लें... उसका क्या नाम है, यह महत्वपूर्ण नहीं है! उसे आप चंपक-लाल बुला सकते हैं। वह नम्बर एक का शैतानी खसम है। जब आप उसे देखेंगे काम करते हुए... कहर ढाते हुए।

कोई भी शैतान बिना सही व्यक्ति के अपना कहर नहीं ढा सका चंपक लाल बस पकड़ने के लिए भागा लेकिन...
ऐ रुको!

हाय! बस निकल गयी... कम्बख्त ड्राइवर ने मेरी आवाज नहीं सुनी!

हैलो चंपक भाई! क्या बात है, इस तरह मुंह क्यों लटका रखा है?
कुछ मत पूछ यार!
चंपक भाई! पता है हमारे मैनेजर साहब बदल गए हैं। नया साहब काफी कड़क है, ज़रा संभाल के रहना!
हां! इन अफसरों को तो फांसी पर लटका देना चाहिए कमबख्त हम पर हुक्म चलाते हैं।
हे भगवान! कब इस सड़े हुए आफिस से छुटकारा दिलवायेगा। दम घुटता है यहां!
वाह! कितने अच्छे विचार हैं, इस मानुस के।
मैनेजर साहब ने ये कुछ लेजर चैक करने के लिए भेजे हैं चंपक भाई!
ठीक है, इन्हें मेरी मेज पर रख दो।

ओह!
आऊ! मेरा हाथ बेवकूफ के बच्चे बूढ़े खूसट! तुझे तो मैं उल्टा लटका दूंगा!
झटक
बूढ़ा! खूंसट! शाबाश… बड़े अच्छे विचार हैं. सब लिख लेता हूं।
आखिर बात क्या है? क्या चंपक लाल वाकई इतना चिड़चिड़ा है, जो किसी को भी बर्दाश्त नहीं कर सकता! देखें! उधर बॉस की सेक्रेटरी आ रही है।
हैलो… चंपक भाई, क्या आज आप मेरे साथ लंच करना पसंद करेंगे?
ओह! हां… हां, क्यों नहीं मिस!
शीला ने मुझसे लंच के लिए पूछा… कहीं मैं सपना तो नहीं देख रहा. मैं काफी समय से इसे लंच के लिए कहना चाहता था और सपना सच हो गया!
शुक्र है! उसे कोई तो पसन्द आया!
बाद में लंच के समय-
चंपक, मैं एक मुसीबत में फंस गई हूं! केवल तुम ही मेरी सहायता कर सकते हो. यह रहस्य हम दोनों के बीच रहेगा!
तुम मुझे सब कुछ बताओ! विश्वास रखो मैं किसी को नहीं बताऊंगा।

बॉस ने मुझे बताया कि मि॰ दीपक स्वीन हमारे नए डिपार्टमेन्ट हैड होंगे, उन्होंने मुझे अपने आफिस के लिए साज-सज्जा करवाने को कहा है, क्या तुम्हें पता है उनका मनपसन्द रंग कौन सा है?
दीपक? रंग?! लाल पेपर? लेकिन!
दीपक! क्या बात है… तुम इतने पीले क्यों पड़ गए? तुम्हारी तबियत तो ठीक है न?
अ… नहीं मुझे बस अजीब सा महसूस हो रहा है, माफ करना मैं वापिस आफिस जाना चाहता हूँ!
चंपक लाल रेस्टोरेन्ट छोड़कर आफिस आ गया। उसके सपने बिखर गए किसी तरह उसने दिन काटा शाम को–
ओह! चंपक लाल तुम? अभी तक काम कर रहे हो?
अर्रर… हां… स… सर… आह!
अच्छा! तब ठीक है! जब तुम्हारा काम खत्म हो जाये तो आफिस बंद कर देना… गुड नाइट!
अर्रर… ओह… हां… हां… गुड नाइट सर!
जब दरवाजा बंद हो गया तो वह चीख उठा!
हाय! मैं बॉस से अकेले में बात करना चाहता था कि मैं तरक्की का हकदार था! न… लेकिन… हाय!

घर वापिस आते समय सारे रास्ते चंपक लाल बड़बड़ाता हुआ आ रहा था।
सफल लोग हमेशा मेरे साथ ऐसा ही व्यवहार करते हैं! वे मुझे बेवकूफ समझते हैं मैं उन सबसे नफरत करता हूं, सबका सत्यानाश हो!
घर पर कमरे की लाइट बंद कर देने के बाद भी वह गुस्से में था।
उस शीला की बच्ची ने मुझे किस तरह उल्लू बनाया... औरतों पर तो विश्वास करना ही मूर्खता है, चीर डालूंगा उन्हें!
अचानक ही कमरे के अंधकार में एक आवाज गूंजी, चंपक लाल उठ बैठा
उठो चंपक लाल! तुम चुन लिए गए हो!
ओह! क... कौन हो तुम?
मैं हूं... तुम्हारी मदद करने वाला शैतान... मैं तुम्हारी सहायता करूंगा! तुम्हें तरक्की चाहिए, तुम्हें शीला चाहिए!
शैतान!? सचमुच का?
हां! मैं सचमुच का शैतान हूं- मुझे यह साबित करना है... बताओ तुम क्या चाहते हो?
न... नहीं! मैंने शैतान के बारे में सुना है! तुम मुझे फंसाना चाहते हो? मैं जो कुछ भी चाहूंगा तुम उसका उल्टा करोगे

नहीं, अगर तुम अपनी इच्छा सोच समझ कर बताओगे, तुम ले कर सकते हो- बताओ क्या चाहते हो…? प्रमोशन!
न…नहीं! मैं मज़ाक कर रहा हूं नहीं ठीक है!
अच्छा… अगर शीला से तुम्हारी शादी हो जाए तो?
नहीं! शादी के बाद औरतें लड़ाकू बन जाती हैं, जिस तरह से यह दुनिया चल रही है… कुछ भी ठीक होता नहीं दिखता
ठीक है अब इस दुनिया को तुम अपने हिसाब से चला सको तो!
हू…म…म… यह बात मजेदार रहेगी! जबकि मुझे यह पसन्द तो नहीं तो… लेकिन…
ठीक है! अपना दिमाग फिर कभी दुरुस्त कर लेना ये लो, अटैक्ट के कागजों पर दस्तखत करो
ठीक है! सौदा पक्का!
चंपक लाल ने जैसे ही साइन किए शैतान फौरन गायब हो गया।
हूं! क्या बेवकूफी भरा सपना था! न… लेकिन मैं कुछ शक्तिशाली महसूस कर रहा हूं… ऐसा लग रहा है जैसे मैं अपने बलबूते पर दुनिया को चला सकता हूं, क्या सपना सच होता है?

बाद में–
आह! क्या बात है, बस मेरे लिए खड़ी है···क्या? हां, ये तो वाकई बस मेरा इंतजार कर रही है
क···क्या? हे भगवान! इस बस में तो हर कोई मरा पड़ा है! जैसे कई सालों से मरे पड़े हों!
जैक लाल जल्दी बस में से उतरा और पुलिसवाले को ढूंढने लगा!
इन्सपेक्टर! जल्दी···वो···बस···
आह! ये तो मर चुका! क्या हर कोई मर चुका?
तुम्हें इसका मतलब पिछली रात मैंने सपना नहीं देखा था! ये सब तुम्हारा किया
है!
नहीं! जैक लाल ये सब तुमने किया है! ये सब तुम्हारी
की गई इच्छाएं हैं!

लेकिन हमारे बीच यह सौदा तो नहीं हुआ था, तुमने कहा था मैं दुनिया को अपनी तरह से चला सकूंगा
यह सब तुमने ही कहा था पूरी दुनिया को जला डालो! सबको मार डालो।
ठीक है! तुम अपने विचार बदल डालो! कुछ नहीं हो सकता... दुनिया खत्म हो चुकी है!
तुम सोचते थे कि केवल तुम ही ऐसे व्यक्ति हो जो जीने के काबिल है! ये लो, यह मेरी तरफ से तुम्हें उपहार है!
और अब चंपक लाल ने डिब्बा खोला।
जब तुम अपने आपको अकेला महसूस करो तो इसका प्रयोग करना हा-हा!
और शायद चंपक लाल ने उस रस्से का प्रयोग कर ही डाला... हां, तो मैंने पहले ही कहा था कि यह घटना घटी नहीं है... घट सकती है! अतः अपने विचारों पर ध्यान रखना सीखो, ऐसा तुम्हारे साथ भी हो सकता है!
हा-हा-हा!

रहस्यमय गाइड
छुट्टियां मनाने का मनोरंजक स्थल जहां लोगों का तांता लगा रहता है।
पास के ही एक गांव में सड़क के किनारे —
ट्रिशं
च्याड़.
हाय!
तड़क
क्या वह मर गया?
किसे परवाह है? हमें वह चीज मिल गई। हम हफ्ते से इंतजार कर रहे थे। ड्रग्स, जो यह आदमी सप्लाई करता था।
हमें जल्दी से इस गांव से चल देना चाहिये।

बाद में···पास के ही एक कस्बे में–
क्या बात है सलीम तुम काफी शांत बैठे हो? उस स्मगलर को हमने यहां से पांच मील पीछे मारा था। फिर डर कैसा?
बस थोड़ी देर और!
सड़क पर थोड़ी देर चलने के बाद उन लोगों की मुलाकात हुई एक···
जूली, रुपेश मिलो इस आदमी से जो हमें यहां से निकालेगा!
हम वापस राजधानी, कुछ ही दिनों में पहुंच जायेंगे!
मेरा नाम शानकूर है··· और मैं इस जंगल का चप्पा-चप्पा जानता हूं। आपको अच्छी तरह गाइड करूंगा!

ओह! हमें चलना होगा!
पन्द्रह मिनट में गांव से बाहर मिलो, ज्यादा वक्त नहीं है!
घण्टों बाद — पास ही की एक जगह पर —
क्या बात है आफिसर, यहां कैसे?
शानकूर यहां से दीवाना होकर गया है, क्या किसी ने उसे देखा है?
शानकूर काफी रहस्यमय है, आफिसर! कभी वह नजर आता है कभी वह गायब हो जाता है!
हमें बताओ, तुम क्या जानते हो उसके बारे में?
वह उत्तरी दिशा में आज रात ही गया है। उसके साथ तीन कालिज स्टूडेण्ट थे!
आज की रात पूरा चांद है, हम उन्हें आसानी से ढूंढ लेंगे!
इस बीच कुछ मील दूर वे लोग घने जंगलों में प्रविष्ट हो चुके थे।
छुट्टियां मनाने का यह तरीका भी बहुत बढ़िया है!
अब तो हमारे पास बढ़िया गाइड भी है, जो हमें सही रास्ते से ले जाकर, इस जंगल को पार करवा देगा!

पहाड़ी के ऊपर लेटकर उन स्मगलरों और उनके नायक ने नीचे देखा तो ---
अरे! सीमा पुलिस! अब हम क्या करेंगे?
अपने कैम्प लगा दो और चिंता छोड़ दो!
कुछ ही देर बाद सभी गहरी नींद सोये पड़े थे।
तभी किसी की आवाज़ ने सीमा पुलिस का ध्यान खींचा—
ये क्या है?
ये शोर कैसा है--? जैसे कोई चीख रहा हो!
हिस्स
आईई

उसी समय जंगल में-
शानकूर? क्या तुमने कुछ सुना?
लेकिन कोई जवाब नहीं-
सलीम फिर से सो गया।
लेकिन कुछ घण्टों बाद-
लगता है, इन गार्डों को किसी बहुत बड़े साँप ने काट लिया है।
मुझे पता है, मैंने रात को कुछ सुना था।
अब हम इस रास्ते से जायेंगे।
क्या यह छोटा रास्ता पहले वाले रास्ते से आसान है?
मेरे पीछे चले आओ! यह जंगल खतरनाक है।
मुझे तो अब इसका विश्वास नहीं रहा। वह गार्ड कैसे रहस्यमय तरीके से मरे पड़े थे। और इसने उन पर ज़रा भी ध्यान नहीं दिया।
मैंने भी तो आवाज़ सुनी थी, शानकूर मेरे पास ही गहरी नींद सो रहा था
इसलिये चिंता की कोई बात नहीं।

ये तो मर गये!
इसका मतलब हम सही रास्ते पर हैं। शामबूर इसी रास्ते से गया है!
तुम दोनों इनकी लाशें ले जाओ, और बाकी मेरे साथ आओ!
कुछ मील आगे तपते सूरज के नीचे–
मैं काफी थक गयी हूं!
हम कल तक बार्डर पार कर लेंगे!
तुम लोग यहां आराम करो! मैं आगे का रास्ता देखकर आता हूं!
हम बस पहुंचने ही वाले हैं!
मुझे उस पर विश्वास नहीं–तुम देख नहीं रहे सबसे वो काफी शांत है। जब से हमने उन गार्डों की लाशों को देखा है, लगता है वो काफी कुछ जानता है।
तुम बेकार में ही परेशान हो रहे हो! वो हमारे साथ ही गहरी नींद सो रहा था!
ज्यादा दूर नहीं–
ये तो हमें घने जंगल में लिए जा रहा है!
और इस बार हम उसकी बातों में नहीं आने वाले!

तीनों नशे के सौदागर चुपचाप इंतजार करने लगे।
हमें ये काम नहीं करना चाहिये था। उस आदमी को नहीं मारना चाहिए था।
मैं आ रहा हूं — शानकूर को ढूंढ कर लाता हूं! हमें जल्दी से बार्डर पार करा दे।
कुछ देर बाद ही रूपेश शानकूर के सिर के ऊपर खड़ा था।
त...तुम यहां लेटे क्या कर रहे हो?
हैऽऽऽ
नहींऽ
आईऽऽऽऽ
ये तो रूपेश की आवाज लगती है।
मुझे पता है!
हे भगवान रूपेश!
ऊहनननन

रूपेश को तुमने मारा है-तुम्हीं वहां सोये हुए थे!
मैं सोया नहीं था!
मैं तो बूढ़े इन्सान के रवोल में घुस कर अपने शिकारों को फंसाता था और बाईर पार कराने के बहाने—
हा...हा...हा अब मैं इस शरीर को हमेशा के लिए छोड़ दूंगा, तुम लोग नहीं...
...समझोगे! अब मैं अपने साथियों से वापिस मिल सकूंगा तुम्हारा अंत आ गया!
अब तुम लोगों की बलि चढ़ानी रह गयी!
ह...हमें... जाने दो!
भाइयो! आविष्कार अब मैं तुम्हारे पास आ रहा हूं!
नहीं ऽऽ

केवल कुछ ही गज दूर… जंगल पुलिस झाड़ियों को काट कर अपना रास्ता बना रही थी।
चीखने की आवाजें!
जैसे ही हम यहां से बाहर निकलेंगे अपने हथियार तैयार रखना, उनकी जरूरत पड़ेगी!
लेकिन जब वे उस जगह पहुंचे-
कुछ भी नहीं लेकिन हमने उनकी आवाज सुनी थी।
हे मेरे भगवान!
उस जगह के बारे में कुछ भी कहना बेकार था।
उसके आदमी खौफ से कांप उठे… अतः उसने अपने आदमियों से आर्डर दिया।
इसके पीछे जो कोई भी शैतानी ताकत है, वह दिन में नजर नहीं आयेगी!
डायनामाइट लाओ और यह जगह उड़ा दो!

मासूम बनकर बैठना बेकार है। हर आदमी के पीछे एक शैतानी रहस्य छिपा है। रूह कांप उठती है... जब आपकी खिड़की के पास आ जाये।
कंकाल
ईईईईईईईईई
डर के मारे उसकी घिग्घी बंध गयी। एक कंकाल उसकी खिड़की से अंदर आ रहा था।
हाय... वह अपनी कब्र से निकल कर मुझे मारने आया है।
देवकुमार उस हड्डियों के कंकाल को देखकर कांप उठा... उसने चादर हटायी।
हे भगवान! सचमुच का नाच रहा है वह!
लगता है, मैं डरावना सपना देख रहा था।

सपना था'' ऊंह? लेकिन जब देवकुमार ने अगली सुबह कपड़े निकालने के लिए अपनी अलमारी खोली···
यह सब उस समय घटा जब कुछ हफ्ते पहले करोड़पति सज्जन कुमार का देहान्त हुआ'' देवकुमार उसका गोद लिया बेटा था।
सज्जन कुमार का अपना बेटा भी था जो आवारा टाइप का था अतः उसने देव कुमार को गोद लिया था।
उसने केवल इसलिए मुझे गोद लिया क्योंकि वह चाहता था कि उसके बेटे का कोई साथी हो!
बूढ़ा अपने बेटे को ज्यादा प्यार करता है।
वह उसे अपनी काफी दौलत दे चुका है। जबकि वह घर छोड़ चुका है।
जबकि वह हिप्पी बन कर सारे देश में घूमता फिर रहा है।
जबकि मेरे सौतेले बाप ने मुझे काफी कुछ दिया है।
और उसके बेटे को काफी दौलत मिली है 'मुझे तो बचा-खुचा ही मिला है।
अगर उसका बेटा मर जाये तो···

मुझे घर जाना होगा अन्नू!
क्यों क्या हुआ?
अगर तुम चाहो तो मैं भी तुम्हारे साथ चलूंगी!
लेकिन अनिल कुमार अपने घर अकेला ही लौटा--देव कुमार ने अपने भाई का ऐसे स्वागत किया जैसे बिछड़ा भाई काफी दिनों बाद मिला हो।
हां भाई! अब मुझ पर भी जिम्मेदारी आ गई है!
मैं कुछ दिन यहीं रुकूंगा!
सांस रहेगी तो रुकोगे न?
देव कुमार ऊपर से प्यार का ढोंग कर रहा था--जबकि दिल ही दिल में वह उसे कत्ल करने की योजना बना रहा था-
मैंने तुम्हारी कार में पेट्रोल भरवा दिया है।
बढ़िया! मैं तो अपनी कार में घूमने के लिए मरा जा रहा हूं!
लंच तक आ जाऊंगा देव!
हां, हां! क्यों नहीं अनिल!
अब कभी नहीं आओगे! ये तुम्हारी अंतिम यात्रा है!

कार दौड़ी जा रही थी। अनिल कुमार को शीघ्र ही पता लग गया कि...
ओह! ब्रेक पैडल को क्या हुआ? इमरजेंसी ब्रेक भी खराब है।
जरूर देव ने किया है ये सब!
भड़ाम
धाड़
शीघ्र ही पुलिस का होशियार जासूस ई० वाडेकर देव कुमार के घर खोजबीन के लिए आया।
तुम्हारा क्या ख्याल है...? एक्सीडेंट कैसे हुआ?
कार काफी दिनों से प्रयोग में नहीं लायी गयी थी।
अगर आप यह सोच रहे हैं कि मैंने उसकी कार में धोखेबाजी की तो...
आखिरी बार तुमने उसकी कार कब चलाया?
मेरे पास अपनी कार है!
मैं संतुष्ट नहीं मिस्टर देव!
मैंने तो आपको सही-सही जानकारी दी है।
ठीक है! मैं शीघ्र वापिस आऊंगा!
हा-हा-हा! सब कुछ ठीक ठाक हो गया। तुम कुछ भी नहीं कर सकते!

बिना मेरी इजाज़त के मेरे मकान में घुसने की तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई?
ठीक है! अगली बार मैं इजाज़त के साथ ही आऊँगा मि. देव!
न जाने कौन खिड़की पर इस वक्त चढ़ रहा है। शायद इस कमरे की तलाशी लेना चाहता है।
शायद देव कुमार को पता नहीं था कि कौन है। जब उसने अनिल कुमार के कंकाल को देखा तो वह कांप उठा। अगली सुबह अपने कपड़ों की अलमारी में कंकाल देखकर वह सोचने लगा।
लगता है ये अनिल मेरे साथ खेल खेल रहा है।
वो चाहता है कि मैं अपना जुर्म कबूल कर लूं। लेकिन उसकी तरकीब कामयाब नहीं होगी।
लगता है रात को वह खुद ही कंकाल की ड्रेस पहनकर मुझे डराने आया होगा।
वह रात को मेरे बैडरूम में चोरी करने के लिए दाखिल हुआ था।
देखो आज की रात वह क्या करता है?

देव कुमार ने अपने नौकर को अलमारी में से कंकाल हटाने को कहा- लेकिन वह कंकाल गायब हो चुका था.
बडेकर आज फिर गैराज में है!
लगता है-वह औजारों की तलाशी ले रहा है उसे वह रेंच तो मिलेगा नहीं जिससे मैंने ब्रेक फेल किए थे!
मैं उस अफसर को कंकाल सहित पकड़ लूंगा!
फिर उसके बाद अफसरों से बात करके सजा दिलवाऊंगा!
और फिर वह आराम से सो गया। लेकिन आधी रात को जब उसने देखा तो...
क...क्या?
मैं देख लूंगा इसे!
फिर कंकाल उसके बिस्तर की तरफ बढ़ा-
य...ये तो अनिल कुमार है, मुझे मारने आया है!
न...नहीं ऽऽ मुझसे दूर रहो अनिल ऽऽऽ

देव कुमार की मौत के बाद, अनिल कुमार की मंगेतर अन्नू उसके बंगले पर पहुंची–
मैं वकील साहब से मिलना चाहती हूं!
मैं ही अनिल व देव का वकील हूं, आइये!
मैंने आपको फोन पर ही बता दिया था कि मैं अनिल की पत्नी हूं!
आह! आपके मैरिज सर्टीफिकेट ठीक हैं अब आप बहुत अमीर बन गई हैं।
वकील ने वसीयत पढ़ी।
सज्जन कुमार अपनी ज्यादातर दौलत देव के नाम पर कर गया था!
वो सोचता था कि अनिल को बड़ा हिस्सा मिला है इस लिए... खैर... अब तुम इस सारी दौलत की मालकिन हो!
मुझे खुशी है, देव को इसके किए की सजा मिल गयी। कुछ दिनों पहले जब मैं यहां आ रही थी तब...
एक जासूस ने मुझे बताया कि अनिल की मौत का...
जिम्मेदार देव है, इसने मेरे पति की यह टोपी चश्मा और कपड़े मुझे दिए।
अगर अन्नू के पास अनिल के कपड़े, टोपी और चश्मा है तो इसका मतलब वो देव की मौत की जिम्मेदार है।
चलो! जो कुछ भी हुआ हो, पापी को सजा मिल गयी उसने अपने पति के कपड़े व सामान संभाल कर रख लिए।

टोरा-टोरा

फाइटरमैन

महाबली लंगूरा

उपरोक्त करेक्टरों के
कॉमिक्स आपने पढ़े
हम आपके आभारी हैं। अब आप
इन कामिक्सोंएवं करेक्टरों के बारे में
अपनी निष्पक्ष राय से हमें निम्न पते
पर अवगत कराने का कष्ट करें। ताकी
आने वाले कॉमिक्सों में और अधिक
सुधार करा जा सके।
धन्यवाद !

मम्पादक—दीपक जैन

दुर्गा कॉमिक्स

351, ईश्वरपुरी, गली जैन मन्दिर,
मेरठ -250 002 फोन: 21077.

दुर्गा कॉमिक्स के आगामी सैट में तहलका मचाने आ रहें है

तीन सुपर स्टारों के एकदम नये कारनामें

टोरा-टोरा **फाइटर मैन** **महाबली लंगूरा**

दुर्गा कॉमिक्स के आगामी सैट में प्रकाशित चार नये कामिक्स

- फाइटर मैन का तहलका
- महाबली लंगूरा और पिशचनी
- टोरा टोरा और नीली मौत
- शैतान आत्मा

दुर्गा कॉमिक्स है जहाँ अच्छा साहित्य है वहाँ